मेरी विनती सुनो बनवारी

मेरी विनती सुनो बनवारी दीनदयाल गिरधारी
मेरी विनती सुनो बनवारी दीनदयाल गिरधारी

जनम जनम का तुमसे नाता
तुम ही जग के भाग्या विधाता
तुम संग प्रीत हमारी दीनदयाल गिरधारी
मेरी विनती सुनो बनवारी दीनदयाल गिरधारी

तुम दाता हम दास स्वामी
तुम सब जानो अंतर्यामी
तुम जग के हितकारी दीनदयाल गिरधारी
मेरी विनती सुनो बनवारी दीनदयाल गिरधारी

मोर मुकुट पीताम्बर धारी
हे मान मोहन गिरवर्धारी
हम आये हैं शरण तुम्हारी दीनदयाल गिरधारी
मेरी विनती सुनो बनवारी दीनदयाल गिरधारी

मेरी विनती सुनो बनवारी दीनदयाल गिरधारी
मेरी विनती सुनो बनवारी दीनदयाल गिरधारी

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/13797/title/meri-viniti-suno-vanvari

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |